जिस्मानी रिश्तों की चाह-70

“आपी और मैं घर में अकेले थे, खुलेआम मस्ती कर रहे थे, मैंने आपी को इतना चूमा कि उनके लबों से खून छलक आया। उसके बाद आपी ने मुझसे कहा कि लम्बी चुदाई का मूड है। ...”

Story By: zooza ji (zoozaji)
Posted: मंगलवार, सितम्बर 13th, 2016
Categories: भाई बहन
Online version: जिस्मानी रिश्तों की चाह-70

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जिस्मानी रिश्तों की चाह-70

अब तक आपने पढ़ा..

आपी और मैं घर में अकेले थे और खुले आम मस्ती कर रहे थे।

अब आगे..

उन्होंने मेरे हाथ से जग पकड़ कर एक घूँट भरा और जग साइड पर रख के अपनी बांहें मेरी गर्दन के गिर्द लपेट कर अपने होंठ मेरे होंठों से ज़ोड़ दिए और सारा दूध मेरे मुँह में डाल दिया।

अब वो मुझे किस करने और मेरे होंठों को चाटने लगीं। कुछ देर किस करने के बाद आपी ने अपने होंठ अलग किए और दोबारा काम में लग गईं और मुझसे कहा- अब खुद पियो.. मैं जल्दी से काम खत्म कर लूँ।

जग को उठाया और मैंने मुँह से लगा कर आधा दूध पी गया और बाकी का बचा के आपी को कहा- ये आपका..
मैंने जग आपी के आगे किया..
तो आपी ने कहा- मेरा दिल नहीं कर रहा.. बस इतना ही पीना था।
मैंने आपी से कहा- कुछ नहीं होता.. पियो।

मैंने जग आपी के मुँह से लगा दिया और सारा दूध आपी को पिला कर जग नीचे किया.. तो आपी ने लंबी सांस ली और मुझे गुस्से से देखने लगीं।

आपी से मैंने कहा- आपी आप दूध नहीं पियोगी तो कमज़ोर हो जाओगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आपी के मुँह में अभी भी एक घूँट दूध बाकी था.. आपी ने बिना कुछ बोले ही अपने होंठ मेरे होंठ पर रख कर दूध मेरे मुँह में डाल दिया और अपने होंठ अलग करके बोलीं- अच्छा बाबा.. ठीक है लो पी लिया ना.. अब बस मुझे दस मिनट दो.. मैं काम खत्म कर लूँ।
मैंने कहा- ओके..

मैं वहीं आपी के पास रुक गया।
आपी ने किचन की चीजें संभालीं और कुछ बर्तन धो कर मुझसे बोलीं- चलो बाहर चल कर बैठते हैं।

मेरा हाथ पकड़ कर वे मुझे बाहर टीवी लाउन्ज में ले आईं और हम दोनों सोफे पर बैठ गए।

आपी ने मुझसे कहा- सगीर, तुम कॉलेज भी जाया करो.. ऐसे तुम्हारी स्टडी खराब होगी।
तो मैंने कहा- आपी आप छोड़ो ना स्टडी को.. कोई और बात करो। चलो ना.. कुछ करते हैं।

मैंने आपी को सर से पकड़ा और आपी को किस करने लगा।
आपी भी मुझे किस का रेस्पॉन्स देने लगीं।

किस करते-करते मैंने आपी का सर से अपना हाथ से उठाया और आपी की कमर को पकड़ कर आपी को पीछे की तरफ लेटाता हुआ आपी के ऊपर लेट गया.. पर किस करना नहीं छोड़ा।

आपी भी पूरे मज़े से मुझे किस कर रही थीं और अपने हाथों से मेरे सर पर दबाव डाल रही थीं। वे मेरे होंठों को अपने होंठों पर इस तरह दबाव डाल रही थीं.. जैसे मेरे होंठ ही खा जाएंगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं भी आपी के ऊपर लेट कर आपी को किस करता रहा।

हम ऐसे ही करीब दस मिनट तक मगन हो कर किस करते रहे।
इसके बाद आपी ने अपने होंठ मेरे होंठों से अलग किए तो आपी के होंठों से हल्का-हल्का खून निकलने लगा।
मैंने अपना हाथ आपी के होंठ पर लगाया.. तो मेरी उंगली पर खून लग गया।

मैं जल्दी से आपी के ऊपर से उठा और आपी को उठाया और पूछा- आपी आपके होंठों से ब्लड निकल रहा है.. लगता है आपको मेरे दांत लग गए हैं।

आपी ने मुझे कुछ कहे बिना ही दोबारा किस चालू कर दी और मेरे होंठों को चूसने लगीं।
मैंने आपी के सर को पकड़ कर पीछे किया और बोला- आपी पागल मत बनो.. ब्लड निकल रहा है.. रूको मैं पानी ले कर आता हूँ।

मैं उठने लगा तो आपी ने मेरा हाथ पकड़ लिया और मुझे रोक कर बोलीं- सगीर तुमने खुद तो कहा था कि मैं आपको अपने प्यार में पागल कर देना चाहता हूँ.. लो मैं हो गई हूँ तुम्हारे लिए सगीर.. तुमने कुछ और माँगा होता तो मैं आज तुम्हारे लिए वो भी कर जाती।

मैं आपी की बात सुन कर मैं वहीं बैठ गया और आपी के माथे पर किस की।

आपी से बोला- आपी प्लीज़.. ऐसे अपने आपको तकलीफ़ ना दिया करो प्लीज़.. ये ठीक नहीं है.. आप रूको एक मिनट!

और मैं किचन से ग्लास में पानी लेकर आया और साथ एक खाली बर्तन लेकर आया। मैं आपी के पास बैठ गया और आपी से कहा- लो कुल्ली करो और मुझे ज़ख़्म दिखाओ।
आपी बोलीं- पहले किस करो मुझे..
तो मैंने कहा- आपी ज़िद ना करो आप.. पहले ज़ख़्म दिखाओ मुझे.. फिर मैं किस करूँगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने ग्लास आपी के होंठों के आगे किया तो आपी ने घूँट भरा और कुल्ली की और पानी खाली बर्तन में फेंका।
मैंने आपी से कहा- अब मुँह खोलो।

मैं ग्लास और बर्तन नीचे रख कर आपी का मुँह देखने लगा। आपी के ऊपर वाले होंठ पर किस करते वक्त एक कट लग गया था और उसमें से खून निकल रहा था।

मैंने आपी से कहा- आपी आपके होंठ को कट लग गया है.. आप लेटो मैं कमरे में से जैल लेकर आता हूँ।

मैंने आपी को सोफे पर लेटा कर कमरे में से जैल लेकर आया और आपी के होंठ के अन्दर वाली साइड पर लगाई। मैं आपी के पास बैठ गया और आपी से कहा- आपी प्लीज़ आप आगे से ऐसे ना करना.. ये ठीक नहीं है.. देखो मुँह में ज़ख्म बन गया है।

आपी बोलीं- सगीर बस चुप करो अब और तुम टाइम क्यों ज़ाया कर रहे हो, चलो ना काम शुरू करते हैं।
मैंने आपी से कहा- नहीं आपकी तबियत ठीक हो जाए.. फिर करेंगे।

तो आपी ने कहा- तुम मेरी बात नहीं मान रहे हो.. मैं रोऊँगी फिर।
मैंने कहा- अच्छा ओके बाबा.. पर अब नो किस ओके..
आपी ने कहा- अच्छा किस न करो पर चुदाई तो करो ना और सुनो अभी तुम एक टेबलेट खा लो.. देर तक करने का मूड है।

तो मैंने जो टेबलेट साथ लाया था.. वो निकाली और एक टाइमिंग वाली गोली खुद खा ली और आई-पिल आपी को खिला दी।

मैंने अपने सारे कपड़े उतार दिए। मैं अंडरवियर पहने हुए ही आपी के ऊपर आ गया और

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आपी की सलवार खींच कर नीचे को उतार कर सोफे पर फेंक दी।
फिर आपी को हल्का सा ऊपर उठा कर उनकी कमीज़ भी उतार दी।

आपी बस ब्रा में थीं.. आपी ने नीचे पैन्टी भी नहीं पहनी हुई थी।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

मैंने आपी की टाँगों को खोला और अपने मुँह को चूत पर रख कर ज़ुबान फेरने लगा। मेरी ज़ुबान आपी की चूत के साथ लगी ही थी कि आपी ने सिसकारी भरी।
'ऊऊऊहह ऊओह..' और अपनी चूत को हल्का सा ऊपर उठा दिया.. जो कि मेरे मुँह में चली गई।

मैंने आपी की चूत को अपने मुँह में भर लिया और चूसने लगा। आपी नीचे से अपनी गाण्ड को उठा-उठा कर चूत चुसवा रही थीं और साथ ही 'आआहह.. आआहह…सगीर..ज़ुबान और अन्दर करो..ऊऊ ऊओह..' की आवाज़ निकाल रही थीं.. और चूत को मेरी जीभ से चुदवाए जा रही थीं।

मैंने आपी की चूत को चूसते हुए अपने हाथ से आपी की ब्रा नीचे की और अपने हाथ से आपी के चूचों को मसलने लगा।

मैं अपनी ज़ुबान को आपी की चूत में तेज रफ्तार से अन्दर-बाहर करने लगा, अब आपी पूरी मस्ती से गाण्ड को हिला रही थीं।

कुछ ही देर में मैंने आपी की चूत को चोदा होगा कि आपी ने मेरे सर को अपने हाथ से दबाना चालू कर दिया और कहने लगीं- सगीर, मैं छूटने वाली हूँ आहह..

मैंने आपी की बात सुन कर और तेज़ी से ज़ुबान को हिलाना चालू कर दिया और कोई दो मिनट ही और किया होगा कि आपी का जिस्म अकड़ने लगा और आपी ने एक लंबी आह

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भरी ‘ऊऊऊऊऊहह.. मैं गईईई..’

इसी के साथ आपी ने अपनी कमर को ऊपर उठा दिया.. उनकी चूत ने पानी छोड़ दिया। आहिस्ता-आहिस्ता आपी का जिस्म ढीला हो गया और आपी ने वापिस अपनी कमर को नीचे सोफे पर गिरा दिया।

मैंने आपी की चूत से मुँह उठाया और आपी से कहा- आपी कैसा रहा ?
आपी कुछ ना बोलीं और बस आँखों से इशारा कर दिया।

मैंने आपी से कहा कि आप लण्ड नहीं चूसोगी.. मैं तेल लेकर आता हूँ और तेल लगा कर अन्दर डालूंगा तो मजा आएगा।
आपी ने कहा- नहीं.. ऐसे ही अन्दर डाल दो.. कुछ नहीं होगा।

मैंने आपी को उठाया और आपी को पास ही रखी डाइनिंग टेबल पर लेटा दिया और खुद खड़ा हो गया।
अब आपी की चूत बिल्कुल मेरे लण्ड के सामने थी।

मैंने आपी की तरफ देखा और लण्ड आपी की चूत के करीब लाकर आपी की चूत के ऊपर रगड़ने लगा। अब मैं अपनी कमर को आगे पीछे करने लगा।

ऐसे करने से आपी गरम होती जा रही थीं और वो मुझसे कहने लगीं- सगीर डालो ना अन्दर..

तो मैंने अपने लण्ड को पकड़ कर सुराख पर रखा और हल्का सा अन्दर को पुश किया तो लण्ड की टोपी आपी की चूत में चली गई.. और आपी एकदम झटके से ऊपर को उठीं और फिर नीचे लेट गईं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उन्होंने मुझे रुकने का इशारा किया.. तो मैं वहीं रुक गया।
आपी को दर्द हो रहा था.. मेरा लण्ड बिल्कुल खुश्क था इसलिए में कोई दो मिनट ऐसे ही रुका रहा।

आपी ने मुझसे कहा- आहिस्ता-आहिस्ता अन्दर करो.. एकदम मत करो।

मैंने लण्ड पीछे को खींचा और फिर अन्दर किया और वहीं आहिस्ता-आहिस्ता धक्के लगाने लगा।

आपी को दर्द हो रहा था.. पर आपी बर्दाश्त कर रही थीं। आपी ने अपने दोनों हाथों से टेबल को साइड्स से पकड़ा हुआ था। मैं दस मिनट तक ऐसे ही आपी को चोदता रहा और आपी अपनी आवाज़ दबाए चुदवाती रहीं।

दस मिनट बाद आपी ने मुझसे कहा- सगीर अब काम ठीक है.. अब तेज़-तेज़ करो।

मैंने आपी की एक टांग को अपने हाथ से ऊपर उठाया और तेज़-तेज़ धक्के लगाने लगा।
आपी को भी मज़ा आ रहा था और आपी मज़े से 'ऊऊऊहह.. उफफफफ़.. सगीर.. आआहह..' कर रही थीं।

आपी की आवाज़ें मुझे मस्त कर रही थीं और मैं फुल जोश से आपी को चोद रहा था। साथ ही मैं अपने लण्ड की लज्जत को फील कर रहा था।

कुछ मिनट ऐसे ही आपी को चोदने के बाद मैंने अपना लण्ड बाहर निकाला और आपी को उठने का इशारा किया।
मैंने आपी से कहा- अब आप घोड़ी बन जाओ।

आपी नीचे कालीन पर घुटनों के बल बैठ गईं और घोड़ी बन गईं, मैंने आपी के पीछे बैठ कर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अपना लण्ड आपी की चूत में डाल दिया और ज़ोर-जोर से धक्के लगाने लगा।

आपी पूरे मज़े में थीं और अपनी गाण्ड को आगे-पीछे हिला-हिला कर चुदवा रही थीं और साथ ही 'ऊऊओह.. सगीर.. आह्ह..' की आवाज़ें निकाल रही थीं।

मैंने आपी की चूत को चोदते हुए अपनी उंगली आपी की गांड के ऊपर फेरी तो आपी ने मुड़ कर मुस्करा के मेरी तरफ देखा और अपनी गाण्ड को हिला-हिला कर चुदवाने लगीं।

मैंने अपनी उंगली आपी की गांड के सुराख पर आराम-आराम से फेरनी चालू कर दी।
इससे आपी और जोर से चुदवाने लगीं, साथ ही वे कहने लगीं- सगीर मैं छूटने वाली हूँ..

तो मैंने कहा- आपी बस मेरा काम भी होने वाला है।
आपी बोलीं- फिर एक दफ़ा ज़रा फुल ज़ोर से धक्के मारो।

मैंने आपी की बात सुनी और पूरे ज़ोर से धक्के मारने लगा। कोई चार-पांच धक्कों के बाद ही आपी का जिस्म अकड़ा और आपी की सिसकारी निकली- उफफ्फ़ सगीर… मैं गई..

इसी के साथ ही आपी की चूत ने पानी छोड़ दिया।

अभी आपी की चूत से पानी निकल ही रहा था कि मैंने आपी से कहा- आपी बहुत दिन हो गए हैं.. आप ने मेरा पानी नहीं पिया.. एक दफ़ा आज हो जाए।
आपी बोलीं- हाँ सगीर.. आज पिला दो।

मैंने दो धक्के और मारे और लण्ड निकाल कर आपी को सीधा बैठा कर उनके मुँह के सामने कर दिया।

तभी मेरे लण्ड ने पिचकारी मारी जो सीधी आपी के मुँह में गई और आपी ने मुँह बंद कर लिया और मेरा माल पी गईं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दूसरी धार आपी के मुँह पर गिरी और इसी तरह मेरा सारा पानी आपी के मुँह पर.. और मुँह के अन्दर गिरा और कुछ आपी के मम्मों पर भी गिरा जो कि आपी ने सारा इकठ्ठा करके पी लिया।

दोस्तो, आपके ईमेल का इन्तजार रहेगा।

आगे की कहानी कुछ दिन बाद दोबारा शुरु होगी।

avzooza@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Malayalam Sex Stories

URL: www.malayalamsexstories.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Story **Target country:** India The best collection of Malayalam sex stories.

Wahed

URL: www.wahedsex.com/ **Average traffic per day:** 80 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Story **Target country:** Arab countries The largest library of hot Arabic sex stories that contains the most beautiful diverse sexual stories written in Arabic.

Kambi Malayalam Kathakal

URL: www.kambimalayalamkathakal.com **Average traffic per day:** 31 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Stories **Target country:** India Daily updated hot erotic Malayalam stories.

Desi Kahani

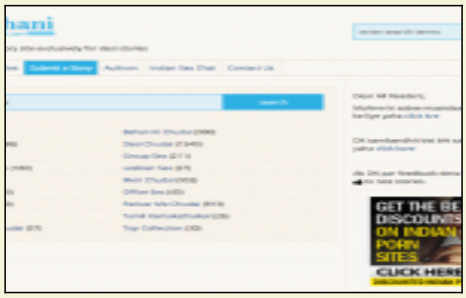

URL: www.desikahani.net **Average traffic per day:** 180 000 GA sessions **Site language:** Desi, Hinglish **Site type:** Story **Target country:** India Read over 6000+ desi sex stories and daily updated new desi sex kahaniyan only on DesiKahani.

Hot Arab Chat

URL: www.hotarabchat.com **CPM:** Depends on the country - around 2,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** Arab countries Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (web view).

Desi Tales

URL: www.desitales.com **Average traffic per day:** 61 000 GA sessions **Site language:** English, Desi **Site type:** Story **Target country:** India High-Quality Indian sex stories, erotic stories, Indian porn stories & sex kahaniya from India.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire